आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 288 | उज्जैन, रविवार 07 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

अलर्ट रहें, वर्षा के चलते सावधानी रखकर अतिरिक्त व्यवस्थाएं रखें-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मंत्रालय स्थित स्टेट सिचुएशन रूम से प्रदेश में हो रही वर्षा से उपजी परिस्थितियों एवं अनंत चतुर्दशी पर्व पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा कर वर्षा की जानकारी लेकर आपदा प्रबंधन एवं गणेश मूर्तियों के समुचित विसर्जन की व्यवस्थाओं का लाईव प्रदर्शन भी देखा। उन्होंने कहा कि सभी अलर्ट मोड में रहें और सतर्कता बरतें। कोई भी अप्रिय स्थिति निर्मित न होने पाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर उज्जैन, इंदौर, जबलपुर, रतलाम,

ग्वालियर और भोपाल से वीसी से बात कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की सभी व्यवस्थाएं अपडेट रहें। पूरा अमला सजग रहकर देर रात तक यह काम पूरा कर लें। वर्षा की स्थिति में अतिरिक्त सावधानी रखें। आवश्यक हो तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचायें। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को बाढ़ आपदा राहत का बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी को भी परेशान न होना पड़े। इसके लिए समुचित तैयारी रखें। आपदा मोचन दल क्रिक रिस्पांस कर प्रभावितों को रेस्क्यू करें। प्रभावितों की सहायता के लिए सभी पूरी संवेदनशीलता और मानवता की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री शिव शेखर शुक्ला, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, एडीजी सिविल डिफेंस सुश्री प्रज्ञा श्रीवास्तव, एडीजी इंटेलिजेंस श्री ए. साईं मनोहर, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े, अपर सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री आलोक सिंह सहित अधिकारी उपस्थित थे।

क्या सुधरने लगे भारत-अमेरिका के रिश्ते? ट्रंप पर पीएम मोदी के बयान के बाद जयशंकर ने दिए संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने पीएम मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया था और भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते को लेकर साकारात्मक बयान दिया था। उन्होंने भारत और अमेरिका के रिश्ते को काफी मजबूत बताया था।

ट्रंप की तारीफ और भारत को लेकर दिए साकारात्मक बयान के बाद पीएम मोदी ने भी पोस्ट कर उन्हें धन्यवाद कहा। उन्होंने ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते की बात कर कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अच्छी वैश्विक साझेदारी है।

पीएम मोदी के बयान के बाद अब भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। ट्रंप को लेकर जयशंकर ने कहा, जहां तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सवाल है, पीएम मोदी के साथ ट्रंप के अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, किन मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं और इस समय मैं इससे अधिक कुछ नहीं कह सकता। लेकिन वास्तव में मैं यही कहूंगा।

जयपुर में बड़ा हादसा, 4 मंजिला इमारत गिरने से 2 लोगों की मौत और 5 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में देर रात 4 मंजिला हवेली धराशायी हो गई। इस हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई। वहीं, 5 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

यह हादसा जयपुर के सुभाष चौक में बाल भारती स्कूल के ठीक पीछे हुआ। शुक्रवार की देर रात लगभग 12 बजे 4 मंजिला इमारत भरभराकर गिर गई। इस दौरान 7 लोग मलबे में दब गए, जिनमें से 2 लोगों की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान 5 लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती किया गया है। 2 मृतकों में 33 वर्षीय प्रभात और 6 वर्षीय बच्ची पीहू का नाम शामिल है। दोनों मृतक पिता-पुत्री थे। वहीं, प्रभात की पत्नी सुनीता की हालत नाजुक है।

इमारत गिरने के बाद शनिवार सुबह तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सुनीता समेत अन्य परिवार के 4 लोगों को भी मलबे से बाहर निकाला गया।

कैमिकल फैक्ट्री की आड़ में ड्रग्स का कारोबार, 12000 करोड़ का ड्रग बरामद; बांग्लादेशी महिला समेत 12 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने तेलंगाना एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। ठाणे की मीरा रोड स्थित पुलिस ने भारी मात्रा में एमडी (मेफेड्रोन) बरामद की है, जिसकी कुल कीमत 12,000 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, तेलंगाना की एक फैक्ट्री पर ड्रग्स बनाए जाते थे। जब पुलिस ने उस जगह पर छापेमारी की, तो ड्रग्स बनाने वाला 35,000 लीटर कैमिकल भी बरामद किया गया। जांच में पता चला है कि इस फैक्ट्री में पिछले कई सालों से ड्रग्स बनाया जा रहा था।

मुंबई भेजे जाते थे ड्रग्स- यह ड्रग्स फैक्ट्री में तैयार किए जाते थे और फिर स्थानीय आरोपियों और एजेंट्स के द्वारा यह ड्रग्स मुंबई भेजे जाते थे। कैमिकल फैक्ट्री के नामपर इस जगह बड़े पैमाने पर ड्रग्स का कारोबार हो रहा था।

अनुमान के अनुसार, अब तक हजारों किलोग्राम मेफेड्रोन नामक ड्रग्स बनाकर बाजार में सप्लाई किए जा चुके हैं। मुंबई पुलिस ने टिप के आधार पर मिया भयंदर पुलिस, वसाई विरार पुलिस और क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर पिछले 1 महीने से इस पूरे प्रकरण पर नजर रखी थी। जानकारी पुख्ता होने के बाद पुलिस ने 60 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की।

पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया है। महिला का नाम फातिमा मुराद शेख अलियास मोल्लाह है, जिसकी उम्र 23 वर्ष के आसपास है। आरोपी महिला के पास 24 लाख रुपये के ड्रग्स भी बरामद हुए हैं।

अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियर पिघलने से सैलाब का खतरा

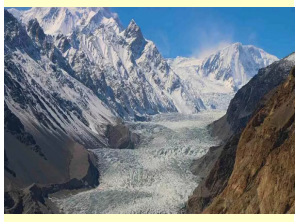

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण राज्य पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर पिघलने से झीलों में ज्यादा पानी जमा हो रहा है। ऐसे में झील फटने या बाढ़ आने से कई इलाकों में भारी तबाही मच सकती है। हाल ही एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी हिमालय में स्थित कुछ ग्लेशियर 1.5 मीटर की तेजी से पिघल रहे हैं। सेंटर फॉर अर्थ साइंस एंड हिमालय स्टडीज ने यह खुलासा किया है।

अरुणाचल में पिघल रहा ग्लेशियर- CESxHS पिछले कुछ समय से तवांग के गोरीचेन पर्वत में स्थित खांगरी ग्लेशियर पर नजर रखे हुए हैं। एक सैटेलाइट सर्वे के दौरान इस इलाके से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 2016 से 2025 के बीच यहां मौजूद झीलों का आकार तेजी से बढ़ा है। ऐसे में अगर झीलें फटीं तो अरुणाचल के कई हिस्सों में फ्लैश फ्लड्स आ सकते हैं।

3 अक्तूबर 2023 को दक्षिणी ल्होनाक झील में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा आकर गिरा था, जिसके कारण ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड देखने को मिला था। इसका असर 385 किलोमीटर तक तीस्ता नदी से होते हुए बांग्लादेश तक हुआ। इस आपदा से सिक्किम में 55 लोगों की मौत हो गई और 74 लोग लापता हुए थे। गोरीचेन पर्वत क्षेत्र में रानी झील मौजूद है, जिसपर ग्लेशियर पिघलने का सबसे ज्यादा असर हो रहा है।

गुजरात के पावागढ़ शक्तिपीठ में बड़ा हादसा, रोपवे का तार टूटने से 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पंचमहल में शनिवार बड़ा हादसा हो गया। मध्य गुजरात के प्रसिद्ध शक्तिपीठ पावागढ़ में एक माल रोपवे का तार टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस रोपने का इस्तेमाल पावागढ़ के मांची इलाके से निज मंदिर तक निर्माण सामग्री को आसानी से पहुंचाने के लिए किया जाता था।

शनिवार को भी रोपवे से सामान ले जाया जा रहा था। लेकिन इसी दौरान तार टूट गया और हादसा हो गया। इस घटना में दो लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर और दो अन्य लोगों की मौत हो गई।

डैमेज कंट्रोल में ट्रंप, PM मोदी ने भी बढ़ाया दोस्ती का हाथ; भारत-US रिश्ते पर क्या बोले एक्सपर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें अपना दोस्त और एक महान प्रधानमंत्री कहा था। ट्रंप के इस बयान पर पीएम मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और अमेरिकी राष्ट्रपति को धन्यवाद कहते हुए भारत-अमेरिका को वैश्विक साझेदार बताया है।

पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में कहा कि वे ट्रंप की भावनाओं और संबंधों के सकारात्मक आकलन की गहराई से सराहना करते हैं और पूरी तरह से प्रत्युत्तर देते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत और अमेरिका के बीच एक सकारात्मक और भविष्य उन्मुख व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदार है।

भारत का रुख रहा संतुलित- जब से ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50त्न टैरिफ लगाया है तभी से भारत ने बेहद संतुलित और परिपक्व रुख अपनाया है। ट्रंप के विवादित और कभी-कभी कठोर बयानों पर भारत ने तीखी प्रतिक्रिया नहीं

दी, बल्कि मौन और तर्क के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट की।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी संवेदनशीलता और संयम दिखाते हुए बयान दिए, जो तथ्यात्मक और शांतिपूर्ण रहे। भारत का रुख यह रहा कि अमेरिका के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी अहम है, लेकिन अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखना भी उतना जरूरी है।

भारत है मजबूत साझेदार- वैश्विक परिदृश्य में भारत चीन और अमेरिका दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ जुड़कर क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाए, जबकि अमेरिका भारत को मजबूत साझेदार के रूप में देखता है।

हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री और अमेरिकी दूतावास ने सितंबर महीने को भारत-अमेरिका के संबंधों को और बेहतर बनाने का महीना घोषित किया और लोगों से इस पहल में समर्थन का आह्वान किया। यह कदम दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने और सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ- विशेषज्ञ रविंद्र सचदेवा कामानना है कि ट्रंप के शुरुआती बयान भावनात्मक होते हैं, लेकिन बाद में वे पुनर्विचार करते हैं। उन्होंने कहा कि एससीओ समिट में भारत, चीन और रूस के नेताओं की एक साथ मौजूदगी और परेड प्रदर्शन ने शायद ट्रंप को महसूस कराया कि भारत रूस और चीन के करीब जा रहा है।

मोदी और मैं हमेशा दोस्त रहेंगे, ट्रंप के बदले सुर; चीन के हाथों भारत को खो देने वाले बयान से मारी पलटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका के रिश्ते को बहुत खास संबंध बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके हमेशा दोस्त रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें इस वक्त पीएम मोदी के कुछ कदम पसंद नहीं आ रहे हैं। इसके बावजूद उन्होंने साफ किया कि दोनों देशों के रिश्तों में कोई दरार नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने को तैयार हैं, तो उन्होंने कहा, मैं हमेशा रहूंगा। मोदी एक महान प्रधानमंत्री हैं। बस इस वक्त जो वो कर रहे हैं वह मुझे पसंद नहीं, लेकिन भारत-अमेरिका का रिश्ता बहुत खास है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

भारत-अमेरिका के बीच होगा व्यापार समझौता- ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि भारत समेत कई देशों के साथ अमेरिका के व्यापार समझौते अच्छी प्रगति कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने यूरोपीय संघ पर नाराजगी जताई, जिसने हाल ही में अमेरिकी टेक कंपनी गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है।

ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय संघ अमेरिकी कंपनियों के साथ भेदभाव कर रहा है और उनकी सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने इसे अमेरिका के बड़े बिजनेस के खिलाफ अनुचित कार्रवाई बताया। गौरतलब है कि श्व ने यह जुर्माना गूगल पर ऑनलाइन विज्ञापन तकनीक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने के आरोप में लगाया था।

अपने बयान से पलटे ट्रंप- ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। हालांकि, बाद में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता कि ऐसा हुआ है।

भारत ने अमेरिका से रिश्तों को किया साफ- उन्होंने यह भी कहा कि भारत का रूस से अधिक तेल खरीदना उन्हें निराश करता है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर भारत को अवगत कराया है। इधर, भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-अमेरिका का रिश्ता मजबूत है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों, साझा हितों और लोगों के आपसी रिश्तों पर आधारित है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोनों देश व्यापार सहित सभी मुद्दों पर जुड़े रहेंगे।

कनाडा सरकार का बड़ा कबूलनामा, देश में खालिस्तानी संगठनों को फंडिंग मिलने की बात मानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की एक सरकारी रिपोर्ट ने बड़ा खुलासा किया है। इसमें माना गया है कि खालिस्तानी आतंकी संगठन कनाडा की जमीन से एक्टिव हैं और उन्हें आर्थिक मदद भी मिल रही है। यह पहली बार है जब कनाडा ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि ऐसे संगठन यहां से फंडिंग जुटा रहे हैं।

रिपोर्ट कनाडा के वित्त मंत्रालय की है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग से जुड़े खतरों का आकलन किया गया। इसमें कहा गया कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल, इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन और सिख्स फॉर जस्टिस जैसे खालिस्तानी संगठन कनाडा समेत कई देशों में पैसा जुटा रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इन संगठनों को केवल दान या चैरिटी से ही नहीं, बल्कि अपराध और गलत कामों से भी पैसा मिल रहा है। इसमें नशीले पदार्थों का धंधा, गाड़ियों की चोरी और चैरिटी फंड का गलत इस्तेमाल शामिल है।

सिर्फ खालिस्तानी ही नहीं, बल्कि हमास और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों के लिए कनाडा से पैसा जाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि कानून-व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों ने कई बार देखा है कि इन समूहों को कनाडा से आर्थिक मदद मिल रही है।

अब डिपार्टमेंट ऑफ वॉर नाम से जाना जाएगा अमेरिकी रक्षा विभाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें अमेरिकी रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग कर दिया गया। ट्रंप ने इसकी घोषणा काफी पहले ही कर दी थी।

ट्रंप का मानना है कि वर्तमान रक्षा विभाग का नाम बहुत रक्षात्मक है और युद्ध विभाग नाम ज्यादा तत्परता दर्शाता है। वहीं ट्रंप का मानना है कि अमेरिकी रक्षा विभाग को रीब्रांड करने से दुनियाभर एक अधिक शक्तिशाली छवि पेश होगी।

उनके साथ अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ डैन केन भी थे। आदेश पर हस्ताक्षर करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया को बताया कि वह कुछ समय से पीट हेगसेथ और डैन केन के साथ इस विचार पर चर्चा कर रहे थे।

ट्रंप ने कहा कि हमने प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध उससे पहले और बीच में सब कुछ जीता और फिर हमने जागने का फैसला किया और नाम बदलकर रक्षा विभाग कर दिया, इसलिए हम युद्ध विभाग जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए यह नाम अधिक उपयुक्त है।

ट्रंप के आलीशान होटल में होगा 2026 का G-20 सम्मेलन, अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल का जी-20 शिखर सम्मेलन अमेरिका में होने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि यह सम्मेलन मियामी के पास स्थित उनके डोराल गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा।

इस साल का जी-20 सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया गया है। ट्रंप इस बार के जी-20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। वहीं, अगले साल का समिट अमेरिका में ट्रंप के ही गोल्फ क्लब में हो सकता है।

ट्रंप ने क्या कहा- जी-20 शिखर सम्मेलन पर बात करते हुए ट्रंप कहते हैं, मुझे लगता है डोराल सबसे बढ़िया जगह है। बता दें कि जी-20 में 19 देश, यूरोपीयन यूनियन और अफ्रीकन यूनियन शामिल हैं। इस साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाली जी-20 समिट में ट्रंप की जगह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शिरकत करेंग। 2024 में जी-20 समिट की मेजबानी भारत ने की थी। नई दिल्ली में कई वैश्विक नेताओं का जमावड़ा देखने को मिला था। इस साल यानी 2025 में जी-20 सम्मेलन 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित किया जाएगा।

अफगानिस्तान में लगातार आ रहे भूकंप; 12 घंटों में कई बार लगे शक्तिशाली झटके; अब तक 2200 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं, जर्मन रिसर्च सेंटर फार जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने कहा कि पूर्वी अफगानिस्तान में 12 घंटे के अंतराल में दो शक्तिशाली झटके महसूस किए गए।

भूकंप प्रभावित क्षेत्र में मची हाहाकार- अफगानिस्तान में पिछले चार दिनों में भूकंपों में लगभग 2,200 लोग की मौत हुई है। भूकंप प्रभावित क्षेत्र में बचे लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियां धन, भोजन, चिकित्सा आपूर्ति और आश्रय की अत्यंत आवश्यकता की चेतावनी दे रही हैं तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 40 लाख डालर की धनराशि की मांग की है।

गुरुवार तक 2205 लोगों की मौत- ये ताजा झटके दो भूकंपों के बाद आए हैं, जिसने युद्ध, गरीबी और घटती सहायता से जूझ रहे दक्षिण एशियाई देश को तबाह कर दिया है। तालिबान प्रशासन ने गुरुवार तक 2,205 लोगों की मौत और 3,640 लोगों के घायल होने का अनुमान लगाया था।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि नांगरहार प्रांत में लगातार झटके महसूस किए गए और नुकसान का विवरण अभी भी एकत्र किया जा रहा है। जीएफजेड ने बताया कि शुक्रवार को 5.4 तीव्रता का भूकंप दक्षिण-पूर्व में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया, जो गुरुवार देर रात आए भूकंप के कुछ घंटे बाद आया है।

नरम पड़े ट्रंप के तेवर, भारत से रिश्ते सुधारने पर दिया बड़ा बयान; ट्रेड डील पर क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर सख्त रुख अपनाया था। वहीं, अब ट्रंप के तेवर भी नरम पड़ने लगे हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका के रिश्तों को बहुत खास बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा उनके दोस्त रहेंगे।

समाचार एजेंसी एएनआई के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी के कुछ फैसले मुझे पसंद नहीं आए थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम दोस्त नहीं रहेंगे।

ट्रंप ने क्या कहा- दरअसल एएनआई ने ट्रंप से दो टूक शब्दों में पूछा कि क्या वो भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं?

इसके जवाब में ट्रंप ने कहा- मैं हमेशा ऐसा ही चाहूंगा। पीएम मोदी और मैं हमेशा से दोस्त हैं। वो एक महान प्रधानमंत्री हैं। हम हमेशा दोस्त रहेंगे, लेकिन एक समय पर उनके कुछ फैसले मुझे पसंद नहीं आ रहे थे। हालांकि, भारत और अमेरिका का रिश्ता बेहद खास है। इसमें कोई चिंता की बात नहीं है।

ट्रेड डील पर क्या बोले ट्रंप- भारत के साथ ट्रेड टॉक पर बात करते हुए ट्रंप कहते हैं कि दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चल रही है। ट्रंप ने कहा, भारत के साथ ट्रेड टॉक अच्छी चल रही है। कई देशों के साथ बातचीत सही चल रही हैं। मगर, हम यूरोपियन यूनियन से हम दुखी हैं, जो उन्होंने गूगल पर फाइन लगाया है।

इमरान खान की बहन के मुंह पर मारा अंडा, अदियाला जेल के बाहर हुआ हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन पर शुक्रवार को पंजाब प्रांत में अंडा फेंका गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना उस समय हुई जब अलीमा खान रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बात कर रही थीं, जहां उनके भाई बंद हैं।

दो महिलाओं को पकड़ लिया- सोशल मीडिया पर अलीमा पर अंडे फेंके जाने की तस्वीरें सामने आईं। इसके तुरंत बाद, खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने उन पर अंडे फेंकने के आरोप में दो महिलाओं को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया।

दोनों महिलाएं पीटीआई समर्थक हैं- रावलपिंडी पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं पीटीआई समर्थक हैं, जो अपनी अधूरी मांगों के विरोध में अखिल सरकारी कर्मचारी महागठबंधन के अन्य सदस्यों के साथ रावलपिंडी आई थीं।

इसमें कहा गया है कि अंडे तब फेंके गए जब अलीमा ने दोनों महिलाओं द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दिया। साथ ही, दोनों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और अदियाला चौकी भेज दिया गया है। पीटीआई ने इस घटना को शर्मनाक बताया और आरोप लगाया कि पुलिस ने उन महिलाओं की कार से भागने में मदद की, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भेजा गया था। पार्टी ने

वापस आएगा नीरव मोदी और मेहुल चोकसी? ब्रिटेन की टीम ने किया तिहाड़ जेल का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि देश से भागे हुए बड़े आर्थिक अपराधी और आरोपी वापस लाए जा सकें। इन्हीं प्रयासों के तहत ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस की एक टीम ने हाल ही में दिल्ली की तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया।

इसका मकसद था यह देखना कि भारत में लाए जाने वाले भगोड़े अपराधियों को सुरक्षित माहौल मिलेगा या नहीं। सूत्रों के मुताबिक, सीपीएस की टीम ने तिहाड़ जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड का दौरा किया वहां मौजूद कैदियों से बातचीत। भारतीय अधिकारियों ने ब्रिटिश टीम को भरोसा दिलाया कि यदि जरूरत हुई तो जेल परिसर में खास एनक्लेव बनाई जाएगी, जहां हाई-प्रोफाइल आरोपी सुरक्षित रह सकें।

भारत सरकार ने ब्रिटेन को यह भी आश्वासन दिया है कि किसी भी आरोपी से जेल में गैरकानूनी पूछताछ नहीं होगी। दरअसल, पहले कई बार ब्रिटिश अदालतों ने भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को इसलिए खारिज किया था क्योंकि उन्हें भारतीय जेलों की स्थिति पर आपत्ति थी।

भारत के कुल 178 प्रत्यर्पण अनुरोध विदेशों में लंबित हैं, जिनमें से लगभग 20 मामले ब्रिटेन में अटके हुए हैं। इनमें हथियारों के सौदागरों और खालिस्तानी नेटवर्क से जुड़े लोगों के नाम भी शामिल हैं। जुलाई 2025 में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा था कि भारत लगातार ब्रिटेन सरकार के सामने अपना पक्ष रख रहा है ताकि वहां रहे भगोड़ों को कानूनी प्रक्रिया के लिए भारत वापस लाया जा सके।

विजय माल्या का मामला सबसे चर्चित है जो फिलहाल लंदन में हैं। उन पर बैंकों से 9 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज न चुकाने का आरोप है।

हवा में अटकी 186 लोगों की सांस, तकनीकी खराबी के बाद कोच्चि एयरपोर्ट पर वापस लौटा इंडिगो का विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो के एक विमान में शुक्रवार देर रात तकनीकी खराबी देखने को मिली। फ्लाइट कोच्चि से अबू धाबी के लिए रवाना हुई थी, लेकिन दिक्कत के बाद इसे वापस कोच्चि की ओर मोड़ दिया गया। इसके बाद यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से अबू धाबी के लिए रवाना किया गया।

बताया जा रहा है कि फ्लाइट में 180 से ज्यादा यात्री सवार थे। इसके अलावा 6 क्रू मेंबर भी फ्लाइट में मौजूद थे। प्लेन करीब दो घंटे तक हवा में थे। सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट संख्या 6ई-1403 शुक्रवार की रात करीब 11.10 बजे कोच्चि से रवाना हुई।

दो घंटे तक हवा में रही फ्लाइट- दो घंटे से ज्यादा समय तक फ्लाइट हवा में थी। तभी क्रू मेंबर्स को इसमें तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद शनिवार की रात 1.44 बजे फ्लाइट को कोच्चि की ओर मोड़ दिया गया। ड्यूटी के घंटे पूरे होने के कारण फ्लाइट के क्रू मेंबर्स को भी बदला गया और नए दल के साथ दूसरी फ्लाइट को रवाना किया गया।

इंडिगो ने एक बयान में कहा, 6 सितंबर 2025 को कोच्चि से अबू धाबी के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 1403 में तकनीकी खराबी का पता चला।

पत्नी के लिव-इन-पार्टनर ने की शख्स की हत्या, संपत्ति विवाद में घोंपा चाकू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण केरल के नादुवथूर में एक शख्स की हत्या का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हत्या का आरोप मृतक की पत्नी के लिव-इन-पार्टनर पर लगा है। आरोप है कि उसने कथित तौर पर चाकू मारकर शख्स की हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान नादुवथूर के कुझिक्कट्टू जंक्शन के श्यामसुंदर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी धनेश को गिरफ्तार कर लिया है।

पत्नी के लिव-इन-पार्टनर ने की हत्या- पुलिस ने बताया कि मृतक श्यामसुंदर की पत्नी और बच्चा बीते चार सालों से धनेश के साथ रह रहे थे, इसी बात को लेकर धनेश और श्यामसुंदर के बीच अक्सर झगड़ा होता था।

शुक्रवार रात करीब 10 बजे श्यामसुंदर ने आरोप लगाया कि धनेश अपनी पत्नी और बच्चे की मदद से उनकी संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहा है, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर धनेश को वापस भेज दिया।

धारदार हथियार से शख्स पर किया हमला, मौत- FIR के मुताबिक, रात करीब 11.50 बजे धनेश कथित तौर पर वापस लौटा और धारदार हथियार से श्यामसुंदर पर हमला कर दिया। हमले में घायल श्यामसुंदर को पड़ोसियों ने तुरंत ही नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां तड़के उसकी मौत हो गई।

नादिया में बच्चे का शव मिलने के बाद तनाव, गुस्साई भीड़ ने दो आरोपियों को पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल के नदिया जिले के निश्चिंतपुर इलाके में एक बच्चे का शव मिलने के बाद शनिवार सुबह इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया और उत्तेजित भीड़ ने बच्चे की हत्या में शामिल होने के आरोप में दो स्थानीय लोगों पर हमला किया जिसमें दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने बच्चे के परिवार के दो पड़ोसियों की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया और उन पर बच्चे की हत्या का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि लड़का शुक्रवार दोपहर से लापता था और शनिवार सुबह उसका शव पास के एक जलाशय में मिला।

तिरपाल में लिपटा मिला बच्चे का शव

अधिकारी ने बताया कि लड़के का शव एक तिरपाल में लिपटा हुआ था। मृतक बच्चे के परिवार वालों ने बच्चे की हत्या का आरोप एक स्थानीय व्यक्ति पर लगाया है। लड़के के स्वजन समेत भीड़ ने आरोपित के घर पर धावा बोल दिया, तोड़फोड़ की और दो लोगों पर हमला किया।

गुस्साई भीड़ ने आरोपियों को पीट-पीटकर मार डाला- उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद व्यापक तनाव के मद्देनजर स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए इलाके में पुलिस की कई टीमें तैनात की गई हैं। इलाके के कई निवासियों पर हिंसक हमले में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। मामले में फिलहाल किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में बारिश से हाहाकार, बीसलपुर बांध के 2 और गेट खोले गए; हर सेकंड निकल रहा 1 लाख 20 हजार क्यूसेक पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजमेर, जयपुर और टोंक जिले के करीब एक करोड़ लोगों की प्यास बुझाने वाले बीसलपुर बांध के दो और गेट खोल दिए गए हैं। आज यानी 6 सितंबर को प्रति सेकंड 1 लाख 20 हजार क्यूसेक की रफ्तार से पानी की निकासी जा रही है। अब तक बांध के 8 चैनल गेट खोले जा चुके हैं।

बीसलपुर बांध के चार गेट दो मीटर और अन्य चार गेट तीन मीटर तक खोले गए, जिनसे पानी की निकासी हो रही है। लगातार बारिश के काण बांध में अधिक पानी भर गया है। इस बांध में कुल 18 गेट हैं, जिनमें से 8 गेट खोल दिए गए हैं।

24 जुलाई को हुई था ओवरफ्लो- बांध के पानी पर निगरानी रखने वाले जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने बताया कि इस वर्ष बीसलपुर बांध बीते 24 जुलाई को ही ओवरफ्लो हो गया था, तभी से बांध से पानी की निकासी हो रही है। पिछले 43 दिनों से बांध में पानी तेजी से भर रहा है।

बनास नदी पर बना है बांध- प्रशासन इस बार ईसरदा बांध में भी पानी जमा कर रहा है, इसलिए बीसलपुर बांध के पानी पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। ईसरदा और बीसलपुर बांध के बीच 90 किलोमीटर की दूरी है। दोनों बांध बनास नदी पर बने हुए हैं।

कितना पानी निकला- जानकार सूत्रों के अनुसार पिछले 43 दिनों में जितना पानी बीसलपुर से निकाला गया है, उससे अगले दो साल तक जयपुर, अजमेर और टोंक जिले में पेयजल की सप्लाई की जा सकती थी। इन तीनों जिलों में प्रतिदिन एक हजार एमएलडी पानी की सप्लाई होती है। इस समय बांध के 8 गेट खोल कर पानी की निकासी हो रही है, इसलिए बांध का विहंगम दृश्य देखने को मिल रहा है।

8 गेट खोले जा चुके- गौरतलब है कि शुक्रवार को कैचमेंट एरिया में हो रही बारिश से बीसलपुर बांध में पानी का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए बांध के 6 गेट खोलकर अतिरिक्त पानी की निकासी की जा रही थी। गुरुवार को महज डेढ़ घंटे बाद पानी की आवक तेज होने पर दो गेटों को दो-दो मीटर तथा चार गेटों को एक-एक मीटर खोलकर कुल 48,080 क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी।

अलर्ट! केरल में ब्रेन ईटिंग अमीबा का कहर, 1 और शख्स की मौत से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में ब्रेन ईटिंग अमीबा के कारण एक और शख्स की मौत हो गई। यह जानलेवा बीमारी केरल में तेजी से फैल रही है। पिछले महीने इस बीमारी से 3 महीने की बच्ची समेत 3 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रेन ईटिंग अमीबा का शिकार रहे राथेश नामक 45 वर्षीय युवक ने भी आज सुबह दम तोड़ दिया है। कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में राथेश का इलाज चल रहा था। उसे तेज बुखार और जुकाम था। वहीं, अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और आखिर में उसकी मौत हो गई।

राथेश के अलावा एक और शख्स ब्रेन ईटिंग अमीबा से ग्रसित है, जिसका चस्ष्ठ॥ में इलाज चल रहा है। केरल में इस बीमारी के 42 केस सामने आ चुके हैं। ब्रेन ईटिंग अमीबा से इस साल सिर्फ कोझिकोड में 4 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले कोझिकोड की ही 3 महीने की बच्ची और 9 साल की बच्ची की इसी बीमारी के कारण जान चली गई थी।

ब्रेन ईटिंग अमीबा को lethal amoebic meningoencephalitis कहा जा रहा है, जो Naegleria fowleri नाम बैक्टीरिया के कारण होती है। यह बैक्टीरिया ताजे पानी में पनपता है। इस जानलेवा बीमारी से पूरे राज्य में हाहाकार मच गया है।

केरल सरकार ने इसके लिए राज्य में जागरुकता अभियान भी चलाया है। सरकार का पानी ही जीवन है क्लोरिनेशन अभियान चल रहा है, जिसके तहत नदी, कुओं, झीलों और स्वीमिंग पूल को क्लोरिनेट किया जा रहा है। ब्रेन ईटिंग अमीबा बेहद जानलेवा है। ताजे पानी के संपर्क में आने से यह बैक्टीरिया शरीर के रास्ते दिमाग पर हमला करता है, जिससे लोगों के बचने की संभावना बेहद कम होती है।

दैनिक हिन्दकुश

सर्वे भवन्तु सुखिनः

hindkush.in
24x7 News portal

jagrayam.com
online news magazine

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

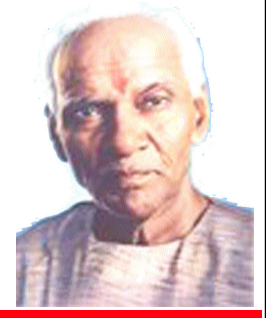

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पूर्णिमा

संपादकीय

राजनीति का इतिहास विचारों में मतभिन्नता, वैचारिक बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध रहा है

भारतीय राजनीति का इतिहास विचारों में मतभिन्नता, वैचारिक बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक संवाद में भाषाई अभद्रता एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है। नेताओं के बीच नीतियों और विकास पर चर्चा की जगह व्यक्तिगत हमले, अपशब्द, और जातिगत-लैंगिक अपमान बढ़ते जा रहे हैं। यह न केवल राजनीतिक संस्कृति को दूषित कर रहा है, बल्कि सामाजिक एकता को भी कमजोर कर रहा है। हाल ही में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है।

भाषाई अभद्रता से तात्पर्य उन भाषणों और टिप्पणियों से है जो अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों, जातिगत-धार्मिक अपमानों, और लैंगिक टिप्पणियों से भरे होते हैं। यह भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया और चौबीस घंटे न्यूज चैनलों के युग में यह चरम पर पहुंच गई है। पहले जहां नेताओं के बीच नीतिगत बहसें हुआ करती थीं, वहीं अब व्यक्तिगत हमले और अपशब्द सामान्य हो गए हैं।

बिहार के दरभंगा में इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी, के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की गई। एक वायरल वीडियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हिंदी में अपशब्दों का इस्तेमाल करते सुना गया। इस मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, और तेजस्वी यादव के पोस्टर थे, हालांकि ये नेता उस समय मंच पर मौजूद नहीं थे।

इस घटना ने भारतीय जनता पार्टी को आक्रामक रुख अपनाने का मौका दिया। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र पर धब्बा और महिला विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताते हुए कड़ी निंदा की। बीजेपी ने पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की और राहुल गांधी से माफी की मांग की। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, राहुल गांधी, आप जिस तरह की भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं या मंच से करवा रहे हैं, वह असहनीय है। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भी बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ के उद्घाटन के दौरान इस घटना पर भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मां हमारा संसार है, मां हमारा स्वाभिमान है। मेरी मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, फिर उन्हें क्यों गाली दी गई? यह न केवल मेरी मां का अपमान है, बल्कि देश की हर मां, बहन और बेटी का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस अपमान को माफ कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं करेगी।

कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई थी, जिसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद ने माफी मांगी और कहा कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि, बीजेपी ने इसे विपक्ष की संस्कृति विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता का हिस्सा बताया। यह घटना अकेली नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही भाषाई अभद्रता के दोषी रहे हैं। आजकल सोशल मीडिया ने नेताओं को वायरल होने की होड़ में अपशब्दों का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया है। ट्वीट्स और वायरल वीडियो तुरंत ध्यान खींचते हैं, जिससे नेताओं का ध्यान नीतिगत मुद्दों से हटकर व्यक्तिगत हमलों पर चला जाता है। सत्ता और विपक्ष के बीच गहरा ध्रुवीकरण है। विपक्ष को घुसपैठिए या देशद्रोही और सत्ता को तानाशाह जैसे शब्दों से नवाजा जाता है।

पितृ पक्ष

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष के पंद्रह दिन पितृ पक्ष (पितृ अथवा पिता) के नाम से जाने जाते है। इन पंद्रह दिनों में लोग अपने पितरों (पूर्वजों) को जल देते हैं तथा उनकी मृत्यु तिथि पर श्राद्ध आदि सम्पन करते हैं। पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध दो तिथियों पर किए जाते हैं। प्रथम मृत्यु या क्षय तिथि पर और दूसरा पितृ पक्ष में। जिस मास और तिथि को पितृ की मृत्यु हुई है अथवा जिस तिथि को उनका दाह संस्कार हुआ है, वर्ष में उस तिथि को एकोदिष्ट श्राद्ध किया जाता है। पिता-माता आदि पारिवारिक मनुष्यों की मृत्यु के पश्चात? उनकी तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक किए जाने वाले कर्म को पितृ श्राद्ध कहते हैं।

महत्त्व

पितृ पक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के आधार पर सूर्य देव जब कन्या राशि में गोचर करते हैं, तब हमारे पितर अपने पुत्र-पौत्रों के यहाँ विचरण करते हैं। विशेष रूप से वे तर्पण की कामना करते हैं। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतान रूपी फल देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान वैदिक परंपरा के अनुसार ब्रह्मवैवर्तपुराण में यह निर्देश है कि इस संसार में आकर जो सद्गृहस्थ अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तिलांजलि और ब्राह्मणों को भोजन कराते है, उनको इस जीवन में सभी सांसारिक सुख और भोग प्राप्त होते हैं। वे उच्च शुद्ध कर्मों के कारण अपनी आत्मा के भीतर एक तेज और प्रकाश से आलोकित होते है। मृत्यु के उपरांत भी श्राद्ध करने वाले सदगृहस्थ को स्वर्गलोक, विष्णुलोक और ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है।

तीन ऋण

भारतीय वैदिक वांगमय के अनुसार प्रत्येक मनुष्य पर इस धरती पर जीवन लेने के पश्चात् तीन प्रकार के ऋण होते हैं-

देव ऋण
ऋषि ऋण
पितृ ऋण

पितृ पक्ष के श्राद्ध यानी 16 श्राद्ध साल के ऐसे सुनहरे दिन हैं, जिनमें व्यक्ति श्राद्ध प्रक्रिया में शामिल होकर उपरोक्त तीनों ऋणों से मुक्त हो सकता है। महाभारत के प्रसंग के अनुसार, मृत्यु के उपरांत कर्ण को चित्रगुप्त ने मोक्ष देने से इनकार कर दिया था। कर्ण ने कहा कि- ÷मैंने तो अपनी सारी सम्पदा सदैव दान-पुण्य में ही समर्पित की है, फिर मेरे ऊपर यह कैसा ऋण बचा हुआ है? चित्रगुप्त ने जवाब दिया कि- ÷राजन, आपने देव ऋण और ऋषि ऋण तो चुका दिया है, लेकिन आपके उपर अभी पितृऋण बाकी है। जब तक आप इस ऋण से मुक्त नहीं होंगे, तब तक आपको मोक्ष मिलना कठिन होगा। इसके उपरांत धर्मराज ने कर्ण को यह व्यवस्था दी कि आप 16 दिन के लिए पुनः पृथ्वी पर जाइए और अपने ज्ञात और अज्ञात पितरों का श्राद्ध-तर्पण तथा पिंडदान विधिवत करके आइए। तभी आपको मोक्ष यानी स्वर्ग लोक की प्राप्ति होगी।

प्रमुख श्राद्ध स्थल

जो लोग दान श्राद्ध, तर्पण आदि नहीं करते, माता-पिता और बडे बुजुर्गो का आदर सत्कार नहीं करते, पितृगण उनसे हमेशा नाराज रहते हैं। इसके कारण वे या उनके परिवार के अन्य सदस्य रोगी, दुःखी और मानसिक और आर्थिक कष्ट से पीड़ित रहते है। वे निःसंतान भी हो सकते हैं। अथवा पितृदोष के कारण उनको संन्तान का सुख भी दुर्लभ रहता है। भारत की पावन भूमि में ऐसे कई स्थान हैं, जहाँ ऐसे भूले-भटके लोग पितृदोष की निवृत्ति के लिए अनुष्ठान कर सकते हैं। जैसे कि बिहार में गया के घाट पर, गंगासागर तथा महाराष्ट्र में त्र्यम्बकेश्वर, हरियाणा में पिहोवा, उत्तर प्रदेश में गडगंगा, उत्तराखंड में हरिद्वार भी पितृ दोष के निवारण के लिए श्राद्धकर्म को आरंभ करने हेतु उपयुक्त स्थल हैं। इन स्थलों में जाकर वे श्रद्धालु भी पितृ पक्ष के श्राद्ध आरंभ कर सकते हैं, जिन्होंने पहले कभी भी श्राद्ध न किया हो। वैसे तो पितृ पक्ष के श्राद्ध की महिमा अपार है, लेकिन जो भी श्रद्धालु अपने दिवंगत पिता, माता दादा, परदादा, नाना, नानी आदि का इन 16 श्राद्धों में व्रत उपवास रखकर ब्राह्मण को भोजन कराकर दक्षिणा आदि देते हैं, उनके घर लक्ष्मी और विष्णु भगवान सदैव ही बने रहते हैं। अर्थात् वे सदैव ही धन धान्य से परिपूर्ण रहते हैं।

श्राद्ध तिथियाँ

श्राद्ध करने का सीधा संबंध पितरों यानी दिवंगत पारिवारिकजनों का श्रद्धापूर्वक किए जाने वाला स्मरण है, जो उनकी मृत्यु की तिथि में किया जाता हैं। अर्थात् पितर प्रतिपदा को स्वर्गवासी हुए हों, उनका श्राद्ध प्रतिपदा के दिन ही होगा। इसी प्रकार अन्य दिनों का भी, लेकिन विशेष मान्यता यह भी है कि पिता का श्राद्ध अष्टमी के दिन और माता का नवमी के दिन किया जाए। परिवार में कुछ ऐसे भी पितर होते हैं, जिनकी अकाल मृत्यु हो जाती है, यानी दुर्घटना, विस्फोट, हत्या या आत्महत्या अथवा विष से। ऐसे लोगों का श्राद्ध चतुर्दशी के दिन किया जाता है। साधु और सन्यासियों का श्राद्ध द्वादशी के दिन और जिन पितरों के मरने की तिथि याद नहीं है, उनका श्राद्ध अमावस्या के दिन किया जाता है। जीवन मे यदि कभी भूले-भटके माता-पिता के प्रति कोई दुर्व्यवहार, निंदनीय कर्म या अशुद्ध कर्म हो जाए तो पितृ पक्ष में पितरों का विधिपूर्वक ब्राह्मण को बुलाकर दूब, तिल, कुशा, तुलसीदल, फल, मेवा, दाल-चावल, पूरी व पकवान आदि सहित अपने दिवंगत माता-पिता, दादा-ताऊ, चाचा, परदादा, नाना-नानी आदि पितरों का श्रद्धापूर्वक स्मरण करके श्राद्ध करने से सारे ही पाप कट जाते हैं। यह भी ध्यान रहे कि ये सभी श्राद्ध पितरों की दिवंगत यानि मृत्यु की तिथियों में ही किए जाएँ। यह मान्यता है कि ब्राह्मण के रूप में पितृ पक्ष में दिए हुए दान पुण्य का फल दिवंगत पितरों की आत्मा की तुष्टि हेतु जाता है। अर्थात् ब्राह्मण प्रसन्न तो पितृजन भी प्रसन्न रहते हैं। अपात्र ब्राह्मण को कभी भी श्राद्ध करने के लिए आमंत्रित नहीं करना चाहिए। मनुस्मृति में इसका ख़ास प्रावधान है।

पितृ पक्ष की सभी पंद्रह तिथियाँ श्राद्ध को समर्पित हैं। अतः वर्ष के किसी भी माह एवं तिथि में स्वर्गवासी हुए पितरों का श्राद्ध उसी तिथि को किया जाना चाहिए। पितृ पक्ष में कुतप वेला अर्थात् मध्याह्न के समय (दोपहर साढ़े बारह से एक बजे तक) श्राद्ध करना चाहिए। प्रत्येक माह की अमावस्या पितरों की पुण्य तिथि मानी जाती है, किंतु आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या पितरों हेतु विशेष फलदायक है। इस अमावस्या को पितृविसर्जनी अमावस्या अथवा महालया भी कहा जाता है। इसी तिथि को समस्त पितरों का विसर्जन होता है। जिन पितरों की पुण्य तिथि ज्ञात नहीं होती अथवा किन्हीं कारणवश जिनका श्राद्ध पितृ पक्ष के पंद्रह दिनों में नहीं हो पाता, उनका श्राद्ध, दान, तर्पण आदि इसी तिथि को किया जाता है। इस अमावस्या को सभी पितर अपने-अपने सगे-सम्बन्धियों के द्वार पर पिण्डदान, श्राद्ध एवं तर्पण आदि की कामना से जाते हैं, तथा इन सबके न मिलने पर शाप देकर पितृलोक को प्रस्थान कर जाते हैं।

पितरों का आगमन

श्राद्ध से पहले श्राद्धकर्ता को एक दिन पहले उपवास रखना होता है, जिसे हबीक कहते। अगले दिन निर्धारित मृत्यु तिथि को अपराह्न में गजछाया के बाद श्राद्ध तर्पण तथा बाह्मण भोज कराया जाता है। मान्यता है कि पितृ पक्ष के दौरान पितर दोपहर बाद श्राद्धकर्ता के घर पक्षी/कौवे या चिडिया के रूप मे आते हैं। अतः श्राद्धकर्म कभी भी सुबह या एक बजे से पहले नहीं करना चाहिए, क्योंकि तब तक दिवंगत पितर अनुपस्थित रहते हैं। कुछ लोग भोजन पकाकर बिना पिण्ड दिये ही मन्दिर में थाली दे आते हैं। इससे भी मृतआत्मा की शान्ति नहीं होती और श्राद्धकर्ता को श्राद्ध का पुण्य नहीं मिलता।

भोज्य पदार्थ

श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन घर की रसोई में बनना चाहिए, जिसमें उड़द की दाल, बडे, चावल, दूध-घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जो बेल पर लगती है, जैसे- तोरई, लौकी, सीताफल, भिण्डी, कच्चे केले की सब्जी आदि ही भोजन मे मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियाँ पितरो को नहीं चढ़ती हैं। श्राद्ध के लिए तैयार भोजन की तीन-तीन आहुतियों और तीन-तीन चावल के पिण्ड तैयार करने के बाद प्रेतमंजरी के मंत्रोच्चार के बाद ज्ञात और अज्ञात पितरों को नाम और राशि से सम्बोधित करके आमंत्रित किया जाता है। कुशा के आसन में बिठाकर गंगाजल से स्नान कराकर तिल, जौ और सफ़ेद रंग के फूल और चन्दन आदि समर्पित करके चावल या जौ के आटे का पिण्ड आदि समर्पित किया जाता है। फिर उनके नाम का नैवेद्ध रखा जाता है।

GST Rate Cut के बाद किसानों को दिवाली पर मिलेगी एक और खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने GST Rate Cut करके किसानों को ही नहीं पूरे देशवासियों को दिवाली का गिफ्ट नवरात्रि में ही दे दिया। 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होंगी। रोजमर्रा की जरूरतों का लगभग हर सामान सस्ता हो गया। कुछ वस्तुओं पर तो 0 जीएसटी लगेगा। ये गिफ्ट देश के हर वर्ग के लोग किसानों से लेकर मिडिल क्लास तक सभी के लिए हैं। लेकिन किसानों को दिवाली पर मोदी सरकार एक और तोहफा दे सकती है। ये तोहफा PM KISAN YOJANA की 21वीं किस्त का हो सकता है। पीएम किसान योजना केंद्र सरकार की एक योजना है जिसे किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे पहले 2 अगस्त को PM Modi ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 20वीं किस्त जारी की थी। अब किसानों को अगली किस्त का इंतजार है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि किसानों को दिवाली या दिवाली से पहले 21वीं किस्त का तोहफा मिल सकता है। पिछले साल की बात करें तो अक्टूबर 2024 में मोदी सरकार ने 18वीं किस्त जारी की थी। इस बार दिवाली 18 अक्टूबर को है।

ऐसे में संभावना यही है कि इस बार भी अक्टूबर में मोदी सरकार PM Kisan Yojana की 21वीं किस्त जारी कर सकती है। हालांकि, अभी सरकार द्वारा आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बैंक खाते में आएंगे 2-2 हजार- अगर दिवाली से पहले किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपये आते हैं तो यह डबल धमाके जैसे होगा। क्योंकि सरकार ने पहले ही जीएसटी की दरों में कटौती कर दी है। 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से New GST Rates लागू हो रहे हैं।

सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। इस योजना के तहत, पात्र किसानों को सालाना 6,000 रुपये मिलते हैं, जो 2,000 रुपये की तीन किस्तों में विभाजित होते हैं, सीधे उनके बैंक खातों में।

टैरिफ से अमेरिकी युवाओं का बंटाधार कर रहे ट्रंप, नहीं दे रहे नौकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही लगाए टैरिफ की वजह से अमेरिका में भी घिरते नजर आ रहे हैं। लेबर डिपार्टमेंट द्वारा जारी किए आंकड़ों ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावों की पोल खोल दी। पिछले महीने संघीय सरकार ने नौकरी में गिरावट को लेकर रिपोर्ट जारी की थी। लेकिन ट्रंप ने उसे नकार दिया था। राष्ट्रपति ने दावा किया था कि रिपोर्ट में धांधली की गई है और फिर उत्पादन के लिए जिम्मेदार अधिकारी को बाहर कर दिया। शुक्रवार को आई रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में बेरोजगारी दर पिछले चार महीने के उच्चतम स्तर पर है।

रिपोर्ट से पता चलता है कि अमेरिका में बेरोजगारी की क्या स्थिति है। लगातार दूसरी बार जारी हुई खराब रोजगार रिपोर्ट ने उस हकीकत की पुष्टि कर दी जिससे ट्रंप बचने की कोशिश कर रहे थे। उनके आर्थिक एजेंडे के बोझ तले श्रम बाजार ठप हो रहा है। और जिस अमेरिका को ग्रेट अगेन बनाने का नारा दिया गया था, वह तनावों का सामना कर रहा है।

अपने दूसरे कार्यकाल के आठ महीने पूरे होने पर राष्ट्रपति ट्रंप के हाई टैरिफ और बड़े पैमाने पर निर्वासन ने नियोक्ताओं पर उल्लेखनीय दबाव डाला है। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में अर्थव्यवस्था में केवल 22,000 नौकरियां जुड़ीं।

क्लार्क होटल चलाने वाली कंपनी की डीलिस्टिंग फिर हुई फेल, शेयर धारकों ने गिराया प्रस्ताव; 3 साल में दूसरा झटका

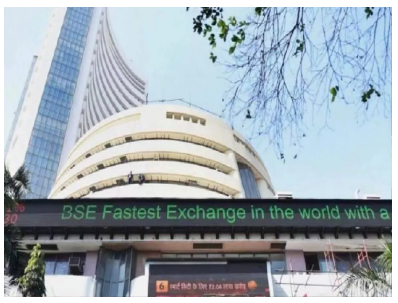

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप उत्तर भारत के राज्यों में घूमना और होटल में ठहरना पसंद करते हैं तो आपने क्लार्क होटल का नाम जरूर सुना होगा। क्लार्क होटल। इस होटल को यूपी होटल लिमिटेड नामक कंपनी चालाती है। इस कंपनी को डीलिस्ट करने की कोशिश की गई। लेकिन यह कोशिश नाकाम रही। क्योंकि शेयर धारकों ने इस प्रस्ताव को गिरा दिया। यह तीन साल में दूसरी बार ऐसा हुआ है।

इससे पहले भी एक बार कंपनी को डीलिस्ट करने की कोशिश की गई थी। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग को दी जानकारी में कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि उक्त प्रस्ताव को कंपनी के सदस्यों द्वारा डिलिस्टिंग की प्रक्रिया को मंजूरी नहीं दी गई।

आपको बता दें कि यूपी होटल्स लिमिटेड अपने पोर्टफोलियो में चार होटल संचालित करता है, जो सभी क्लार्क्स ब्रांड नाम से आगरा, जयपुर, लखनऊ और खजुराहो में स्थित हैं। इन होटलों में होटल क्लार्क्स शिराज (आगरा), होटल क्लार्क्स आमेर (जयपुर), होटल क्लार्क्स अवध (लखनऊ) और होटल क्लार्क्स खजुराहो (खजुराहो) शामिल हैं।

UP Hotels Limited ने अपने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, "SEBI के रेगुलेशन 2015 के अनुसार, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि उक्त प्रस्ताव को कंपनी के सदस्यों द्वारा अपेक्षित बहुमत से अनुमोदित नहीं किया गया है।

कंपनी को तीन साल में दो बार लगा झटका- यह पहली बार नहीं है जब कंपनी को शेयर बाजार से डीलिस्ट कराने की कोशिश की गई और कोशिश नाकाम रही है। इससे 3 साल पहले 2022 में भी कंपनी को शेयर मार्केट से डीलिस्ट करने की कोशिश की गई थी। तब भी डीलिस्ट की कोशिश नाकाम रही थी। और 3 साल बाद 2025 में एक बार फिर से कंपनी के प्रमोटरों को झटका लगा है। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो यूपी होटल्स ने निवेशकों को 354 फीसदी का मोटा रिटर्न दिया है। यानी आपके पैसों को तीन गुना कर दिया। वहीं, अगर एक साल की बात करें तो पिछले एक साल में इस कंपनी ने निवेशकों को 24 फीसदी का रिटर्न मिला है।

नहीं करना होगा 22 सितंबर का इंतजार, आज से ही घट गए महिंद्रा की गाड़ियों के दाम; लाखों में होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूता बनाने वाली कंपनी BATA के बाद अब भारत की दिग्गज कार कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज घोषणा की है कि वह अपने सभी पेट्रोल-डीजल SUV पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को जीएसटी कटौती का फायदा देगी। हाल ही में 3 सितंबर, 2025 को 56वीं जीएसटी काउंसिल की मीटिंग हुई है। जिसमें जीएसटी 2.0 की घोषणा की बाद हुआ है। जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी।

सरकार ने ऑटोमोबाइल सेक्टर को बड़ी राहत दी है। टू-व्हीलर (350cc तक की बाइक्स) पर अब 28% की बजाय 18त्न जीएसटी लगेगा। छोटी कारों पर जीएसटी अब 18% होगा। बड़े वाहनों पर अब फ्लैट 40% जीएसटी लगेगा और सेस हटा दिया गया है।

ट्रैक्टर (1800cc से कम) पर जीएसटी 12त्न से घटाकर 5त्न कर दिया गया है, और उनके पार्ट्स पर भी 5% टैक्स लगेगा। बसों और ट्रकों पर भी जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दी गई है। ऑटो पार्ट्स, जैसे टायर्स, बैटरियां, कंपोनेंट्स पर भी दरें घटी हैं, जिससे ancillary उद्योगों को फायदा होगा।

महिंद्रा कंपनी की स्थापना 1945 में हुई थी। महिंद्रा समूह 100 से अधिक देशों में 260,000 कर्मचारियों के साथ, कंपनियों के सबसे बड़े और सबसे प्रशंसित बहुराष्ट्रीय संघों में से एक है।

JP Associates क्यों नहीं खरीद पाए गौतम अदाणी, अनिल अग्रवाल से हैं 46 गुना अधिक दौलतमंद; कैसे पलटी बाजी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 3 महीने से जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण की बहुत चर्चा हुई। JP एसोसिएट्स के जब-जब बिकने की बात हुई तब-तब गौतम अदाणी का नाम सबसे पहले लिया जा रहा था। लेकिन जब आखिरी बोली लगी तो जिसने सुना वह हक्का-बक्का रह गया!

पता चला कि अदाणी ग्रुप का कहीं नाम ही नहीं है और JP एसोसिएट्स को खरीदने की बोली वेदांता ने जीत ली है। वेदांता के मालिक अनिल अग्रवाल हैं।

कैसे अदाणी के हाथ से फिसली JP

एसोसिएट्स- JP एसोसिएट्स का भी सीमेंट सेक्टर में बड़ा नाम था। ऐसे में अंबुजा सीमेंट, ACC, Sanghi Industries , Penna Cement जैसी कंपनियों को धड़ाधड़ खरीदने वाला अदाणी ग्रुप इस कंपनी को भी खरीदने की पूरी तैयारी में था।

अधिग्रहण की पूरी के बाद यकीन था कि अब तो अदाणी ही इसके अगले मालिक होंगे। ऐसे में आपके भी मन में सवाल होगा कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि अदाणी जेपी एसोसिएट्स को खरीदने में चूक गए है।

ऐसे चली बोली की प्रक्रिया- बता दें देश के अरबपति गौतम अदाणी को हालही में जयप्रकाश एसोसिएट्स के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से अहम मंजूरी मिली थी।

जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड के कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स यानी ऋणदाताओं की उन्नीसवीं बैठक में भी सभी प्रस्ताव पारित हो गए थे।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में फैसला सुनाया था कि कंपनियों को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता के तहत रेजोल्युशन प्लान पेश करने से पहले सीसीआई की मंजूरी लेनी होगी। कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स द्वारा योजना पर मतदान से पहले यह मंजूरी लेनी होगी। जेएएल की बिक्री प्रक्रिया में शुरुआती चरण में कई दिग्गज कंपनियां जैसे अदाणी समूह, वेदांता समूह, डालमिया भारत, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक शामिल थीं।

भूटान के राजा हुए अदाणी के मुरीद, अपने देश में सौंप दिया 6000 करोड़ रुपये का ये बड़ा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम अदाणी भारत में बिजली सप्लाई का बहुत बड़ा काम कर रहे हैं। कभी मध्यप्रदेश तो कभी उत्तरप्रदेश में बड़े ऑर्डर पाने से चर्चा में रहे अदाणी पावर ने विदेश धरती पर अहम मुकाम हासिल किया है।

दरअसल अदाणी पावर और भूटान की बिजली बनाने वाली सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर ने हिमालयी भूटान राज्य में 570 मेगावाट की वांगचू जलविद्युत परियोजना स्थापित करने के लिए शेयरधारक समझौते (एसएचए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

बिजली खरीद समझौते पर सहमति भी बनी। कंपनी के मुताबिक डेवलपर्स ने भूटान की शाही सरकार के साथ परियोजना के लिए छूट देने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

भूटान के प्रधानमंत्री दासो शेरिंग तोबगे और अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी इन समझौतों से अदाणी पावर और डीजीपीसी के लिए पीकिंग रन-ऑफ-रिवर वांगछू जलविद्युत परियोजना का BOT यानी बिल्डिंग, ओनरशिप, ऑपरेटिंग, ट्रांसफर) मॉडल पर काम शुरू करने की सारी चीजें हो गई हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पुलिस कस्टडी में बुजुर्ग के मौत मामले में बड़ा एक्शन, चौकी प्रभारी और हवलदार निलंबित

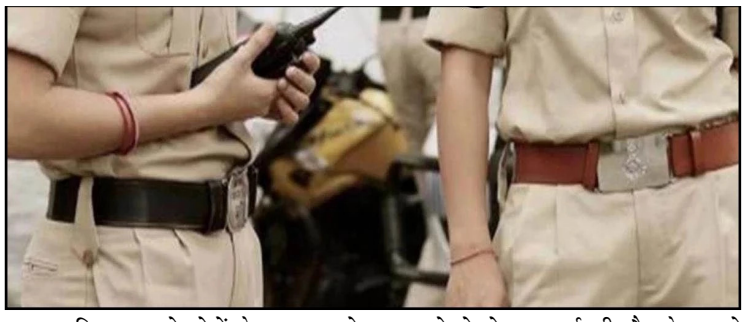

ग्वालियर। पुराने नोटों के साथ पकड़े गए पांच लोगों में वृद्ध की पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में जौरासी चौकी प्रभारी एसआइ पूनम कटारे और हवलदार शिवरतन पांडे को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में एसएसपी धर्मवीर सिंह यादव ने वरिष्ठ अफसरों को मामला रिपोर्ट न करने की लापरवाही मानी है, इसके बाद निलंबन के आदेश जारी कर दिए। पांच लोगों को पकड़ने से लेकर बुजुर्ग की मौत के मामले को वरिष्ठों को नहीं बताया गया था, यही बड़ी चूक रही।

शव को लेकर पुलिस चकरघिन्नी रही और फजीहत-वहीं, इस मामले में डबरा के सिविल अस्पताल में जब वृद्ध को तबीयत खराब हो जाने पर ले जाया गया तो वहां से ग्वालियर रेफर कर दिया। मृत घोषित होने पर उसे सीधे स्वजन दतिया के भांडेर ले गये। जौरासी चौकी पुलिस के हाथ-पांव फूले तो भांडेर पुलिस से संपर्क किया। पुलिस भांडेर से शव को दतिया लेकर आई। यहां पीएम से पहले जौरासी चौकी पुलिस पहुंची और शव को डबरा लाकर पोस्टमार्टम कराया गया। इस तरह शव को लेकर पुलिस चकरघिन्नी रही और फजीहत हुई।

पुलिस पूछताछ में हुई बुजुर्ग की मौत-बता दें कि जौरासी थाना पुलिस के अनुसार भांडेर निवासी इकबाल खान 63 साल निवासी सिटोला मोहल्ला भांडेर जिला दतिया करीब तीन लाख रुपये के पुराने नोटों को बदलने के लिए अपने साथी नीरज अग्रवाल, वीरेंद्र रायकवार, शफीक, जितेंद्र कुमार के साथ कार क्रमांक यूपी93 सीएफ 3590 में सवार होकर झांसी से ग्वालियर गया था। पूछताछ में पता चला कि ग्वालियर में रुपये न बदल पाने के कारण वह सभी रुपये लेकर झांसी वापस जा रहे थे। इस बीच जौरासी घाटी पर पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़ लिए गए।

पुलिस चौकी में पूछताछ के दौरान इकबाल खान की तबीयत बिगड़ गई। पुलिस उसे डबरा सिविल अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल रेफर किया। ग्वालियर के अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही इकबाल की मौत हो गई। स्वजन बिना पोस्टमार्टम के शव लेकर भांडेर लौट गए थे। इसके बाद भांडेर पहुंच चुके इकबाल के शव को पुलिस की मौजूदगी में डबरा लाया गया। यहां पीएम के दौरान मजिस्ट्रेट समेत डॉक्टर का पैनल और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। साथ में मृतक का बेटा राशिद और उनके रिश्तेदार भी उपस्थित रहे।

मृतक के साथियों से भी मामले में पूछताछ-मृतक के बेटे राशिद का कहना है कि उसके पिता गाड़ी की एनओसी निकलवाने के लिए ग्वालियर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। शाम को अज्ञात नंबर से फोन आया कि तुम्हारे पिता की तबीयत खराब है, डबरा आ जाओ। इधर पुलिस ने मृतक के साथियों से भी मामले में पूछताछ की है।बड़ा सवाल- शव भांडेर कैसे पहुंचा और पुलिस कहां थी

यहां बड़ा सवाल यह है कि पुलिस अभिरक्षा में वृद्ध को अस्पताल ले जाया गया और मृत्यु होने पर उसे स्वजन भांडेर ले गए। इस दौरान जौरासी चौकी पुलिस स्टाफ कहां था यह सवाल खड़ा हो रहा है। इसमें पुलिस की लापरवाही भी सामने आ रही है।

ग्वालियर एसएसपी धर्मवीर सिंह यादव ने कहा कि तबीयत बिगड़ने पर वृद्ध की मौत के मामले को वरिष्ठ अफसरों को चौकी प्रभारी व स्टाफ ने नहीं बताया, प्रथम दृष्ट्या लापरवाही मानते हुए प्रभारी व हवलदार को निलंबित कर दिया गया है बाकि जांच जारी है।

अब मेडिकल कॉलेजों में नॉन क्लीनिकल रेजिडेंट डॉक्टर भी होंगे, कैबिनेट में लाएंगे प्रस्ताव

भोपाल। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में अभी तक क्लीनिकल विषय जैसे मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग, गायनी आदि में ही सीनियर रेजिडेंट (एसआर) डॉक्टर पदस्थ किए जाते थे, लेकिन अब नान क्लीनिकल विषयों के डाक्टरों को भी सीनियर रेजिडेंट पदस्थ किया जाएगा। इसमें एनाटामी, फिजियोलाजी, बायोकेमेस्ट्री, फार्मोकोलाजी जैसे विषय शामिल हैं। इसका लाभ रोगी और डॉक्टर दोनों को होगा।

प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीनियर रेजिडेंट के 380 पद स्वीकृत करने के लिए शीघ्र ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। अस्पतालों में ओपीडी, इमरजेंसी ड्यूटी सहित अन्य स्थानों पर नान क्लीनिकल सीनियर रेजिडेंट्स का उपयोग किया जा सकेगा।

बता दें कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमएसी) ने नान क्लीनिकल विषयों में सीनियर रेजीडेंट्स बनाने के लिए कहा है। इनका संख्या निर्धारित सीटों में फैकल्टी के कुल पदों के निश्चित अनुपात में रहेगी। इस आधार पर प्रदेश में 380 पद होंगे, जिन्हें 19 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पदस्थ किया जाएगा।

अभी निजी मेडिकल कॉलेज तो नान क्लीनिकल विषय में एसआर रख रहे हैं, पर सरकारी में नहीं हैं। नई व्यवस्था से नॉन क्लीनिकल विषयों में मेडिकल कॉलेजों के लिए फैकल्टी मिलना भी आसान हो जाएगा। अभी सरकारी कॉलेजों में इन विषयों में एमडी कर निकले डॉक्टर निजी कॉलेजों में एसआर बन जाते हैं।

इसके बाद उन्हें उसी कॉलेज में सहायक प्राध्यापक बनने का अवसर भी आसानी से मिल जाता है। बता दें कि सहायक प्राध्यापक बनने के लिए मेडिकल कॉलेजों में कम से कम तीन वर्ष एसआर रहना आवश्यक होता है। सरकार की तरफ से इन्हें निर्धारित मानदेय दिया जाता है।

इंदौर के बाद ग्वालियर के इस अस्पताल में भी चूहों का आतंक, प्रसूति वार्ड भी नहीं सुरक्षित, नवजात बच्चों को खतरा

ग्वालियर। जेएएच समूह के कमलाराजा अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में चूहों का डर बना हुआ है। हालत यह है कि प्रसूताओं और नवजातों के बीच तक चूहे पहुंच रहे हैं। इंदौर के एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो नवजातों की मौत की घटना के बाद भी ग्वालियर के सबसे बड़े महिला अस्पताल ने सबक नहीं लिया है। यहां न चूहों को रोकने के लिए कोई ठोस इंतजाम हैं और ना ही संक्रमण से बचाव के उपाय।

ने की वार्डों की पड़ताल- टीम ने न्यूरोसर्जरी, न्यूरोलाजी, बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी वार्ड के साथ कमला राजा अस्पताल के बाल एवं शिशु रोग विभाग के वार्डों की पड़ताल की। इस दौरान पाया कि स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के प्रसूति पूर्व कक्ष और पोस्ट नेटल वार्ड में चूहे घूम रहे हैं। प्रसूति पूर्व कक्ष में भर्ती महिला मरीज की स्वजन रमा बाई ने बताया कि वार्ड में बड़े-बड़े चूहे हैं। रात में जमीन पर सोते समय यह ऊपर चढ़ जाते हैं। कई बार पलंग और खाने-पीने की चीजों पर भी कब्जा जमा लेते हैं। इतना ही नहीं अस्पताल परिसर में जगह-जगह इनके बिल भी नजर आ रहे हैं।

नवजात शिशुओं को सबसे ज्यादा खतरा-सबसे अधिक खतरे में नवजात अस्पताल में सबसे ज्यादा खतरा नवजात शिशुओं के लिए है। उनकी कोमल त्वचा चूहों के पंजों से छिल सकती है। यदि चूहे काट लें तो संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। प्रसूताओं और नवजातों को हर वक्त आशंका बनी रहती है। संक्रमण का बढ़ा खतरा चूहे नालियों और गंदी जगहों से होकर वार्डों में पहुंचते हैं।

उनके पैरों और शरीर से संक्रमण फैलने का डर रहता है। यही नहीं, कई बार मरीजों का खाना भी यह चूहे खा जाते हैं। स्वास्थ्य नियमों के मुताबिक किसी भी अस्पताल के वार्ड में चूहों का प्रवेश वर्जित है, मगर कमला राजा अस्पताल में यह नियम खुलेआम टूट रहा है।

यह खतरा-चूहों के काटने से गंभीर इंफेक्शन व सेप्सिस का खतरा। नवजात की कोमल त्वचा छिलने व खून निकलने का डर। पंजों व लार से वायरल-बैक्टीरियल संक्रमण फैल सकता है । खाने-पीने की चीजें दूषित कर पेट व आंतों की बीमारियां फैला सकते हैं।

क्या कहते हैं नियम? अस्पताल वार्डों में चूहों व जानवरों का प्रवेश नहीं होना चाहिए। पेस्ट कंट्रोल व सफाई अनिवार्य है। खाना-पीना ढंककर रखना और कचरा तुरंत निस्तारित करना जरूरी। नियमों की अनदेखी पर अस्पताल प्रबंधन जिम्मेदार माना जाएगा। अस्पताल प्रशासन ने क्या कहा?

जेएएच प्रवक्ता डॉ. मनीष चतुर्वेदी ने कहा कि समय-समय पर पेस्ट कंट्रोल कराया जाता है। इंदौर की घटना को देखते हुए चार सितंबर को पेस्ट कंट्रोल किया गया है। चूहों, मच्छर और मक्खियों को लेकर सभी विभागों के इंचार्ज से शिकायत संबंधी जानकारी भी मांगी गई है।

ओंकार पर्वत पर तेंदुए का आतंक, परिक्रमा मार्ग पर रेस्क्यू टीम अलर्ट, श्रद्धालुओं में दहशत

खण्डवा। ओंकारेश्वर के ओंकार पर्वत पर बीती शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को तेंदुए की दहश सुनाई दी। बताया जाता है कि पर्वत पर स्थित जानवरों के बाड़े के पास यह तेंदुआ दिखाई दिया। लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। जैसे ही टॉर्च की रोशनी उस पर पड़ी, तेंदुआ घने जंगल की ओर भाग गया। इस घटना से ओकार पर्वत क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई।

विदित हो कि ओंकार पर्वत मां नर्मदा से चारों ओर से घिरा हुआ है और इसका आधा हिस्सा वन विभाग, आधा पुरातत्व विभाग तथा शेष भाग राजस्व विभाग के अंतर्गत आता है। पर्वत पर हिरण, जंगली सूअर और कई तरह के वन्यजीव पहले से मौजूद हैं। ऐसे में तेंदुए को यहां शिकार करना आसान हो जाता है। हालांकि कई बार वह पर्वत पर चर रही गाय-बकरियों को भी अपना शिकार बना लेता है।

यहां रहती है लोगों की भीड़-बड़ी संख्या में प्रतिदिन लोग बाहर से आकर ओंकार पर्वत की परिक्रमा भी लगाते हैं। वहीं स्थानीय लोग भी पर्वत से रात और दिन में ओंकारेश्वर नगर में आते जाते हैं। वन विभाग को से गंभीरता से लेना होगा, नहीं तो किसी दिन किसी भी श्रद्धालु या बच्चों को अपना शिकार बना लेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेंदुआ यदि हिंसक हो गया तो इंसानों पर हमला करने से भी पीछे नहीं हटेगा। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग द्वारा कुछ समय पहले आसपास के जंगलों में छोड़े गए तेंदुए नदी पार कर ओंकार पर्वत पर पहुंच गए।

जल्द कार्रवाई की मांग -ओंकारेश्वर नगर परिषद के अध्यक्ष मनीष परिहार ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़कर गहरे जंगलों में छोड़ा जाए। यदि समय रहते रेस्क्यू नहीं किया गया तो कभी भी किसी बड़ी अनहोनी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।वनपाल ओंकार पर्वत पर कर रहे तलाश

ओंकारेश्वर वन परिक्षेत्र के डिप्टी रेंजर आनंदराम खांडेकर ने कहा कि लोगों से सूचना मिली है, रात्रि कुछ लोगों ने तेंदुए को देखा है। विभाग के कई वनपाल ओंकार पर्वत के ऊपर खोज कर जल्दी उसका लोकेशन पता कर लेंगे। खंडवा से वन विभाग की रेस्क्यू टीम भेजने के लिए जिले की वरिष्ठ अधिकारियों सूचित कर दिया है। ओंकार पर्वत पर निवास करने वाले लोग भी सावधानी बरतें। रात्रि में अकेले नहीं निकले तेंदुए को जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।

ग्राम कलारिया स्थित गंभीर नदी में किसी भी प्रकार से मूर्ति विर्सजन प्रतिबंधित

इंदौर। अंनत चतुदर्शी के दिन 06 सितम्बर 2025 श्री गणेश विर्सजन है। जिला प्रशासन ने अपील की है कि गणेश विसर्जन निर्धारित स्थानों पर ही किया जाये। बताया गया कि अधिक पानी होने के कारण राऊ तहसील के ग्राम कलारिया स्थित गंभीर नदी में किसी भी प्रकार से मूर्ति विर्सजन प्रतिबंधित किया गया है। यहां पर किसी भी तरह से विर्सजन नही किया जा सकेगा। इसके स्थान पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा जवाहर टेकरी पर श्री गणेश विसर्जन हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। सभी आमजनो से अपील की गई है कि उक्त स्थान जवाहर टेकरी (इन्दौर धार रोड) पर सुरक्षित तरीके से गणेश विर्सजन का कार्य करें।

एसडीएम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि तहसील राऊ अन्तर्गत ग्राम कलारिया स्थित गंभीर नदी में हाल ही में हो रही निरंतर वर्षा से बाढ का पानी बहुत अधिक है और उसका बहाव भी बहुत तेज हैं तथा नदी के किनारे फिसलन हो गई है। यहाँ पर प्रायः गणेश चतुदर्शी या इसके पश्चात श्री गणेश विर्सजन का कार्य किया जाता रहा है, इस वर्ष निरंतर वर्षा से बाढ का पानी बहुत अधिक है और उसका बहाव भी बहुत तेज होने से मानव जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। मौसम विभाग ने निरंतर पानी गिरने के संकेत दिये है। इसको देखते हुए ग्राम कलारिया स्थित गंभीर नदी में किसी भी प्रकार से मूर्ति विर्सजन प्रतिबंधित किया गया है। यहां पर किसी भी तरह से विर्सजन नही किया जा सकेगा।

इसके स्थान पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा जवाहर टेकरी पर श्री गणेश विसर्जन हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। सभी आमजनो से अपील की गई है कि उक्त स्थान जवाहर टेकरी (इन्दौर धार रोड) पर सुरक्षित तरीके से गणेश विर्सजन का कार्य करें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अपने-अपने क्षेत्रों में गणेश प्रतीमा के विसर्जन के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। उन्होंन निर्देश दिये है कि सभी अनुविभागी दण्डाधिकारी अपने-अपने अनुभाग क्षेत्र में ऐसे स्थला पर पर्याप्त आवश्यक सुरक्षा, आपदा दल, स्वास्थ्य आादि संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। वर्तमान समय में सभी स्थानों पर भारी वर्षा होने से अधिक जल भराव की स्थिति निर्मित है, इसलिये अतिरिक्त सावधानी रखें। अनन्त चतुर्दशी के दौरान इंदौर जिले में शाति एवं कानून व्यवस्था के समन्वय बनाये रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। अन्य सभी एस0डी0एस0 अपने-अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कमाण्डेंट, होमगार्ड (एसडीआरएफ) इन्दौर निर्धारित स्थलों पर आवश्यक आपदा दल तैनात रखेंगे तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला इन्दौर आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। इसी प्रकार सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी अपने अनुभाग अन्तर्गत कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने हेतु अपने स्तर से कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगायेंगे।

माता-पिता और शिक्षक-गुरू होते हैं राष्ट्र निर्माता, उनका सम्मान करें और चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ें- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आज शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय सांवेर में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उन्होने शिक्षक-विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता और शिक्षक-गुरु राष्ट निर्माता होते है, उनका सम्मान करें और चुनौतियों का सामना कर आगे बढे। जीवन में गुरू के ज्ञान से ही देश और प्रदेश का विकास संभव होगा। विकसित भारत बनाने में शिक्षक और विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक द्वारा नित्य नवीन प्रयोग कराये जाने से छात्र वैज्ञानिक, डाक्टर, शिक्षक और कलेक्टर बनकर देश की सेवा करते है। विज्ञान के कारण आज भारत विश्व गुरु बन गया है। आज भारत की गिनती श्रेष्ठ दस देशों में होती है, जिससे हमें गर्व होता है। इसलिए हमें हमेशा माता-पिता और शिक्षक-गुरू का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर श्री सिलावट ने उपस्थित विद्यार्थियों और उनके माता-पिताओं और शिक्षकों को अपने हाथों से भोजन प्रदान कर उनके साथ स्नेह भोज किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में गणेश पूजन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर मार्त्यापण किया गया। 56 भोग भी लगाये गये। इस अवसर पर सर्वश्री भारतसिंह,दिलीप चौधरी, संदीप चंगेडिया, जीतुराज राठौर, सुभाष जैन, सतीश मालवीय, संजय घोडेला और प्राचार्य सरवैया सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जारी

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर संभाग के दुरस्थ अंचलों में निन्शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे है। इस क्रम में धार जिले के टाण्डा में 7 सितम्बर को होगा विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा। इस शिविर में आधुनिक मशीनों के माध्यम से उच्च रक्तचाप, कैंसर, डायबिटीज, दंत रोग, नेत्र रोग आदि की जांचें की जाएंगी।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि गत वर्ष आयोजित संभाग स्तरीय निन्शुल्क स्वास्थ्य शिविर के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए। इस बार भी सभी स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो, इसके लिए सभी निर्धारित स्थानों पर व्यापक तैयारियां की गई है। आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से पहले ग्रामीण अंचलों में जाकर बीमार व्यक्तियों को चिन्हित किया जा रहा है और उसकी सूची बनाकर मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध कराई गई है। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में आधुनिक मशीनों के माध्यम से उच्च रक्तचाप, कैंसर, डायबिटीज, दंत रोग, नेत्र रोग आदि की जांचें की जाएंगी। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में जाँच के बाद चिन्हित मरीजों के निन्शुल्क इलाज की व्यवस्था की जायेगी। स्वास्थ्य शिविर में संभाग के सभी शासकीय अस्पतालों के चिकित्सक विशेषज्ञ सहित निजी अस्पतालों के चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे।

कंपनी से पेस्ट कंट्रोल का ठेका छीनने की तैयारी, दो साल से कर रही थी काम, 11 करोड़ पर भी संकट

इंदौर। इंदौर के एमवाय अस्पताल में दो नवजात बच्चियों के शरीर चूहों द्वारा कुतरे जाने और उनकी मौत के मामले में अस्पताल प्रबंधन पेस्ट कंट्रोल कंपनी पर जिम्मेदारी डाल रहा है। कंपनी से पेस्ट कंट्रोल का ठेका छीनने की तैयारी की जा रही है। एलाइजा कंपनी को नोटिस भी जारी कर दिया गया है। इस बार अस्पताल के बजट में कंपनी को 11 करोड़ रुपये देने की तैयारी थी, लेकिन अब उस पर भी संकट गहरा गया है।

आमतौर पर काम प्रभावित न हो, इसलिए अलग-अलग एजेंसियों को हायर किया जाता है, लेकिन एमवाय अस्पताल प्रबंधन एक ही कंपनी पर मेहरबान था। उसे सफाई, पेस्ट कंट्रोल और सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। बताया जाता है कि कंपनी ने स्टाफ भी काफी कम रखा था, जिसके कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही थीं।

डेटा एंट्री ऑपरेटर कम होने से कई बार पर्चियां बनाने के लिए अस्पताल में लंबी कतारें लग जाती थीं। कंपनी अस्पताल बिल्डिंग के कुछ हिस्सों में ही पेस्ट कंट्रोल करती थी, जबकि परिसर में हजारों की संख्या में चूहों के बिल हैं। परिसर से चूहों को भगाने पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

पेस्ट कंट्रोल से पहले कंपनी ने कभी वार्डो को भी खाली नहीं कराया। आपको बता दें कि चूहाकांड के बाद एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है, जो मामले की जांच कर रही है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने अधीक्षक और डीन को हटाने की मांग की है।

छात्र अपने अंदर जिज्ञासा जगाएं, असफलताओं को अपनाएं

इंदौर। श्रेष्ठ शिक्षक वही है, जो आपको रास्ता दिखाता है, लेकिन क्या देखना है यह तय नहीं करता। यह बात प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. डेविश जैन ने शिक्षक दिवस पर आयोजित क्मास्टरक्लास बाइ डॉ डेविश जैन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेस्टीज शिक्षण समूह के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्रों एवं फैकल्टीज को वर्चुअली संबोधित करते हुए कही। उन्होंने अपने संबोधन को सीखो, प्यार करो, नेतृत्व करो और विरासत छोड़ो जैसे चार अनमोल स्तंभों पर केंद्रित करते हुए छात्रों से कहा कि वे अपने अंदर जिज्ञासा जगाएँ, करुणा का अभ्यास करें, ईमानदारी के साथ नेतृत्व करें, ÷प्रश्न पूछें, असफलताओं को अपनाएँ और दूसरों को ऊपर उठाएँ। युवा मस्तिष्कों को प्रोत्साहित करते हुए डॉ जैन ने कहा कि छात्र शिक्षा को केवल जानकारी के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के रूप में देखें।

डॉ डेविश जैन की पुस्तक 'गोल्डन इनसाइट्स ≈ एंटरप्राइजिंग लाइफ़' पर आधारित यह वर्चुअल मास्टरक्लास प्रेस्टीज ग्रुप की इंदौर, देवास, भोपाल और ग्वालियर स्थित संस्थाओं के प्रबंधन, अभियांत्रिकी, विधि और अन्य अनुशासनों के विद्यार्थियों व शिक्षकों को जोड़ने वाला प्रेरणास्त्रोत बना।

मास्टरक्लास के पश्चात प्रश्नोत्तर में छात्रों और फैकल्टीज ने डॉ. जैन से उनके जीवन के चार मूल स्तम्भों पर उनकेअनुभवों और शिक्षाओं पर गहन संवाद किया। पीआईएमआर यूजी कैंपस, इंदौर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन भी धूमधाम से हुआ।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने की जरूरत : दिग्विजय सिंह

इंदौर। पूर्व सांसद एवं जननेता कॉमरेड होमी एफ. दाजी की जन्मशताब्दी वर्ष की शुरुआत के अवसर पर भारत में समाजवाद संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर एक स्मृति राष्टीय संवाद का आयोजन किया गया। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जन्मशताब्दी वर्ष के आयोजनों की शुरुआत की। अभिनव कला समाज़ में आयोजित राष्टीय संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि भारत में समाजवाद का लक्ष्य आजादी आंदोलन और स्वतंत्रता के बाद हमारी नीतियों का आधार रहा है। पं. जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के काल में जमींदारी उन्मूलन, भूमि सुधार, मिश्रित अर्थव्यवस्था, वोट का समान अधिकार, आरक्षण पब्लिक सेक्टर, मजदूर हितैषी कानून समाजवादी नीतियों के द्योतक थे। आज उन्हीं अधिकारों, कानूनों पर हमला हो रहा है।

श्री सिंह ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने की जरूरत है। आज लोकतंत्र पर ख़तरा है। टेक्नोलॉजी और अन्य माध्यमों से लोकतंत्र पर चोट की जा रही है। आज इन मुद्दों पर जनांदोलन खड़ा करने और होमी दाजी जैसे जननेता की राह पर चलने की जरूरत है।

श्री सिंह ने कहा कि कामरेड होमी दाजी ने पारसी समाज से आकर युवा अवस्था में वकालत का पेशा अपनाया और मजदूरों के हितों के लिए लड़ाइयाँ लड़ी। उन्होंने इंदौर से दो बार विधायक और एक बार सांसद रहकर सदा सदन में प्रभावी मुद्दे उठाये। नेहरु जी और इंदिरा जी भी उनके संघर्ष और ईमानदारी की तारीफ किया करते थे।

विचारक एवं प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य सचिव मंडल सदस्य सत्यम सागर ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवाद हमारे आजादी के आंदोलन का लक्ष्य था। समाजवादी आंदोलन ने देश को बेहतरीन लेखक, कवि, कलाकार, फ़िल्मकार दिए जिन्होंने आम जनता के मुद्दों को आवाज दी। संप्रभुता, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और प्रजातंत्र हमारे संविधान के मूल आधार हैं। आज़ादी ने प्रजा को नागरिक बनाया था। आज हम नागरिकों को पांच किलो राशन की लाइन में खड़ा कर फिर प्रजा बना रहे हैं।

पार्श्व कल्पतरु धाम, श्री पार्श्व पद्मावती महापूजन...बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता

इंदौर। मनुष्य का पूरा जीवन गुजर जाता है लेकिन उसे कब कहां कितना बोलना है और कब कितना खाना है इस बात का भान नहीं रहता । इस कारण वह व्याधियों और परेशानियों में उलझता रहता है अगर वह संयम के साथ बोलेगा तो अनावश्यक परेशानियों से बचेगा और अन्य ग्रहण या भोजन करने में संयम रखेगा तो व्याधियों से दूर रहेगा।

यह विचार पार्श्व कल्पतरु धाम स्थित अमित आराधना भवन पर पूज्य मात्र हृदया अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने व्यक्त किया। श्री धरणीधर पार्श्व नाथ श्वेतांबर जैन मंदिर एवं श्री संघ के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया की शुक्रवार को पूज्य अमिझरा श्री जी की स्मृति में चल रहे नौ दिवसीय नवहानिका मा महोत्सव के सातवें दिन श्री पार्श्व पद्मावती महापूजा का आयोजन प्रातः 9 बजे शुरू हुआ, इस अवसर पर मनमोहन विधान सजाए गया, पूजन अर्चन की जिसमें तकरीबन 2 घंटे से ज्यादा का समय लगा, इस के बाद धर्म सभा में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने से श्रेष्ठतम वचनों का श्रवण कर भगवान महावीर के जयकारे भी लगे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुरेश जी सुमन रांका, रितेश ज्योति रांका , रितिका रांका एवं शुजालपुर परिवार के साथ विशाल बम ,दिलीप ख़िमेसरा कपिल कोठारी आदि भी शामिल हुए। 6 सितंबर को प्रभावीका महापूजन , उवसंग्गम महापूजन और 7 सितंबर को श्री शांति स्नात्र महा महोत्सव के साथ 9 दिवसीय उत्सव का समापन होगा।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सांसद खेल महोत्सव -2025 का आयोजन वृहद स्तर पर किया जाएगा

पारंपरिक खेलों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होगा - सांसद

उज्जैन सांसद श्री अनिल फिरोजिया की अध्यक्षता में गत दिवस सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभा कक्ष में आगामी दिनों में सांसद खेल महोत्सव -2025 के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सांसद श्री फिरोजिया ने कहा कि देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पूर्व में खेलो इंडिया खेलो का आयोजन प्रारंभ किया गया है , इसी कड़ी में देश के सभी संसदीय क्षेत्रों में सांसद खेल महोत्सव - 2025 का आयोजन किया जाएगा। सांसद श्री फिरोजिया ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में कुश्ती व कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। महोत्सव के दौरान सभी खेलों का आयोजन भव्य स्तर पर किया जाएगा। पहले ब्लॉक स्तर पर खेलों का आयोजन किया जाएगा और उसके पश्चात फाइनल उज्जैन में खेले जाएंगे। इसमें निर्धारित खेलों के अलावा अन्य

खेल भी जोड़े जाएंगे, ताकि खेल प्रतिभाओं को एक प्लेटफार्म मिल सके और देश का नाम पूरे विश्व में खेलों में आगे बढ़े।

बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए की आयोजन के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपे जाएं। खेल प्रतियोगिताओं का एक कैलेंडर बनाया जाए और विभिन्न स्तर पर महोत्सव का आयोजन किया जाए।

जिला खेल अधिकारी श्री ओ.पी. हारोड़ ने जानकारी दी की सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत पंजीयन आगामी 20 सितंबर तक किया जाना प्रस्तावित है। पंजीयन के प्रभारी ग्राम स्तर पर और वार्ड स्तर पर संकुल प्रभारी शिक्षा विभाग व खेल शिक्षक होंगे। ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, खेल शिक्षक, ग्रामीण युवा समन्वयक और खेल विभाग होंगे तथा उज्जैन ब्लॉक और जिला स्तर पर शिक्षा विभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण सदस्य और खेल विभाग होंगे ।

खेलों का आयोजन आगामी 21 सितंबर से 25 दिसंबर के मध्य किया जाना प्रस्तावित है । इसमें 19 वर्ष आयु वर्ग तक के बालक/ बालिकाओं के लिए पारंपरिक खेलों में रस्साकशी, लाठी, गतका, सितोलिया और मदर गेम में कबड्डी ,टेबल टेनिस, बास्केटबॉल ,कुश्ती और बैडमिंटन खेल होंगे। ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर आगामी 21 सितंबर से 15 अक्टूबर के मध्य, ब्लॉक स्तर पर आगामी 16 अक्टूबर से 15 नवंबर के मध्य और जिला स्तर पर आगामी 16 नवंबर से 25 दिसंबर के मध्य खेलों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

समारोह के आयोजन स्थल टेबल टेनिस और कबड्डी के लिए नानाखेड़ा खेल परिसर, कुश्ती, सितोलिया, रस्साकशी ,लाठी और गतका के लिए क्षीरसागर खेल अरिना एवं मैदान, बैडमिंटन के लिए माधव क्लब व नानाखेड़ा खेल परिसर और बास्केटबॉल के लिए महानंदा खेल परिसर प्रस्तावित है।

बाबा रामदेव मंदिर में ध्वज चढ़ाकर किया संरक्षक, अध्यक्ष का सम्मान

उज्जैन। महाकाल मंदिर के पास कोट मोहल्ला स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर पर मेवाड़ा भांबी समाज द्वारा लगातार 10 दिनों से भजन संध्या, जागरण, भंडारा आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उक्त 10 दिवसीय आयोजन सानंद कराये जाने पर समाज संरक्षक देवनारायण जयपाल, अध्यक्ष मोहन मेवाडा का स्वागत जाट भांबी समाज द्वारा साफा पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया।

जाट भांबी समाज की पूरी कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनील कड़ेला के नेतृत्व में उर्दू पुरा स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर से ध्वज लेकर बाबा रामदेवजी मंदिर कोट मोहल्ला पहुंची जहां संरक्षक देवनारायण जयपाल एवं अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा का अभिनंदन किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष राधेश्याम जौहर, सुनील कुचेरिया, रामलाल थिरोदा, कोषाध्यक्ष कैलाश जनागल, प्रीतम निम्बेल, सचिव देवदत्त तिरदिया, मीडिया प्रभारी लोकेश कड़ेला, विशाल देथरवाल, महेंद्र कड़ेला, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश कड़ेला, भगवती प्रसाद कड़ेला, धनसिंह चांवला, श्याम कड़ेला आदि शामिल रहे। सभी का आभार अध्यक्ष मोहन मेवाडा ने माना। इस दौरान प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर से विजयसिंह बल, रघुनाथ सिंह कटारिया, देवीलाल सूर्या, अशोक परिहार, रतनलाल जावल, रूपसिंह कुरवाडिया, रमेशचन्द्र चौहान, फुलसिंह पंवार, बाबुलाल हेरा, ओमप्रकाश जोधावत, उपाध्यक्ष हरिसिंह परिहार, बद्रीलाल हेरा, सचिव इन्दरसिंह राठौर, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद गोयल, सहसचिव जयप्रकाश छापोला, सहसचिव मोहनलाल खण्डेला, जितेन्द्र कुरवरिया, मनोहर राजोरिया, संगठन मंत्री कमल पंवार, दशरथ जोदावत, प्रचारमंत्री प्रकाश कुरवाडिया, प्रवीण मेघवाल, प्रवक्ता जितेन्द्र परमार, महामंत्री मानसिंह झण्डेल (बबलु), मानसिंह बगेड़िया, शिवम राजोरिया, वीरेन्द्र चोरड़िया, प्रवीण जावल, मदन मेवाड़ा महेश फुलफाकर, विकास राठौड़, अनिल राठौड़, सागर राजोरिया, गौरव पंवार, उमेश मेघवाल, राहुल परिहार, बंटी बगैडिया, मितेश नागोरिया, कपिल वर्मा, कान्हा खारी सहित समस्त नवयुवक मंडल उज्जैन एवं बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

आज होगी आशा को समर्पित संगीत संध्या हंगामा हो गया

उज्जैन। हारमोनियम बिट्स द्वारा आज 7 सितंबर, रविवार शाम 7 बजे, स्वर कोकिला आशा भोंसले के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर आशाजी के नगमों को समर्पित संगीत संध्या ÷हंगामा हो गया...÷ का आयोजन कालिदास अकादमी संकुल हॉल में किया जा रहा है।

संस्था की अध्यक्ष एवं आयोजक प्रीती दीक्षित एवं कविता यार्दे ने बताया कि मातृशक्ति को समर्पित संगीत आयोजन में सभी मुख्य स्वर मातृशक्ति गायिकाओं का ही रहेगा। इंदौर की मूर्धन्य गायिका श्रद्धा जगताप और उज्जैन की गज़ल गायिका साधना जेजुरीकर को स्वरमणि आशा सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर इनकी प्रस्तुति भी होगी। गर्विता जैन को आशा कला सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर मधुर स्वर गायिकाएं निष्ठा कंडारा, मानसी पांडे, कीर्ति देशपांडे आदि।

माता पिता से बड़ा आश्रय संसार में किसी का नहीं-धनवंतरी दासजी महाराज

उज्जैन। संसार में जिसे लोग प्रेम कहते हैं ये प्रेम नहीं स्वार्थ है, बिना स्वार्थ सिध्दि के प्रेम नहीं होता। लेकिन माता पिता से बड़ा आश्रय संसार में किसी का नहीं, भगवान की उपमा भी करते हैं तो 'त्वमेव माता च पिता त्वमेव कहते हैं, क्योंकि माता पिता के जैसे उदार मन, उनके जैसा हृदय दूसरे का नहीं मिलेगा। लेकिन हम माता पिता जैसे संबंधों में भी स्वार्थ सिध्दि में लगे होते हैं। भगवान के मंदिर में यूंही नहीं जाएंगे, कोई स्वार्थ बता दे तो मंदिर जाना शुरू। कह दो कि शनिवार के दिन पीपल को स्पर्श करने से दीपक लगाने से लक्ष्मी कृपा करेगी तो देखों लोग दीपक जलाने लग जाएंगे। फिर हम शनिवार का इंतजार करने लगेंगे। भगवान में स्वाभाविक प्रीति होनी चाहिये, बिना कारण के जाओ भगवान के दर्शन को।

यह बात कथा व्यास धनवंतरी दासजी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन कही। श्रीमद्भगवत कथा के आयोजक हर्ष जायसवाल ने बताया कि जायसवाल परिवार द्वारा 6 सितंबर से आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। स्व. बृजलाल जायसवाल, स्व. प्रभादेवी जायसवाल, स्व. सुरेशचंद जायसवाल, स्व. कुसुम देवी जायसवाल स्व. अशोक जायसवाल की स्मृति में हो रही श्रीमद् भागवत कथा हेतु श्री धाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथा वाचक अनंत सम्पन्न सदुरूदेव, महंत मदन मोहन दास के कृपा पात्र शिष्य धन्वंतरि दास महाराज श्रीमद्भगवत कथा करने के लिए पहली बार उज्जैन पधारे है।

एक ही नेता को बार-बार लोकसभा, विधानसभा, महापौर का टिकिट, बाकी कांग्रेस कार्यकर्ता क्या बाबा साहेब की मूर्ति के आगे मूंगफली का ठेला लगाएं- दीपक मेहरे

उज्जैन। पूरे जिले में अनुसूचित जाति के कांग्रेस के कार्यकर्ता भयभीत हैं और डरे हुए हैं क्योंकि एक ही नेता को लोकसभा का टिकिट, विधानसभा का टिकिट, महापौर का टिकिट बार-बार दिया जा रहा है। 12 लाख अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले उज्जैन जिले में कांग्रेस पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता कहां जाएंगे। क्या कांग्रेस के कार्यकर्ता डॉ. भीमराव अंबेडकरजी की प्रतिमा के सामने मूंगफली का ठेला लगाएं।

महापौर पद के प्रत्याशी रहे दीपक मेहरे ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए चलाये गये संगठन सृजन अभियान को ताक में रखकर कांग्रेस के प्रभारी रागिनी नायक, नदीम जावेद द्वारा नई प्रतिभा खोज को तार तार कर उज्जैन में शहर जिला अध्यक्ष बनाया गया। अब उज्जैन जिले के अध्यक्ष बनाये गये महेश परमार की निगाहें आगामी लोकसभा चुनाव पर टिकि हुई है।

कांग्रेस सेवा दल ने किया कार्यकर्ताओं का सम्मान निस्वार्थ भाव से सेवा प्रेरणा देती है

उज्जैन। शहर जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल उज्जैन द्वारा बाबा महाकाल की सवारी में सेवा दल के कार्यकर्ता द्वारा दी गई सेवा के लिए उनका सम्मान किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी जी एवं अध्यक्षता संभाग प्रभारी अरुण रोचवानी ने की।

इस अवसर पर श्री भाटी ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा व कार्य अन्य लोगों को प्रेरणा प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम में सेवादल के साथियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर विशेष अतिथि अजय राठौर , सुनील जैन, चंदू यादव जी थे। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले सेवादल स्वयं सेवकशहर महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लीला परिहार,रफी अहमद जैदी, अशोक राठौर, राजेंद्र चंदेल, अजय कोठार, देवीलाल जाटवा, शमशेर खान, विजय चौहान, सुगन सोलंकी, संगीता गोस्वामी, नरेंद्र बिजनगरी, पायल सोलंकी, पार्वती फुलेरा, लक्ष्मी मालवीय, बस्तीबाई परिहार, कलाबाई, कमलाबाई, ताराबाई,आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन जिला (ग्रामीण)कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ चैनसिंह चौधरी ने किया, तथा आभार शहरकांग्रेस सेवादल अध्यक्ष कुलदीप सिंह जाट ने किया उपरोक्त जानकारी सेवादल मीडिया प्रभारी हेमंत कोली ने दी।

गणेश जी की महाआरती कर सुख शांति, समृद्धि के लिए भगवान से कामना की

उज्जैन। चिंतामन रोड स्थित ग्राम जवासिया में गणेश चतुर्थी का पर्व बड़ी धूमधाम से दस दिनों तक मनाया गया।जय गजानन भक्त मंडल द्वारा अनंत चतुर्थी पर्व पर गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल के संरक्षक सजन चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव एवं प्रदेश में सुख शांति, समृद्धि के लिए यज्ञ हवन किया गया। जिसके बाद गणेश जी महाआरती कर दूध से अभिषेक किया गया और गणपति बप्पा मोरिया..अगले बरस तू जल्दी आ...की गूंज के साथ भगवान से खुशहाली की कामना की। संस्था द्वारा 36 वर्षों से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम समापन के बाद सभी ने भंडारे का लाभ लिया। कार्यक्रम में शामिल होने आए सभी श्रद्धालुओं को जय गजानन भक्त मंडल ने प्रकृति को हरा भरा रखने के लिए पौधे विदारण किए एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com